



प्रधान स्वर्गदूत मीकाएल कौन है?

बाइबल में मीकाएल (या, मीकाईल) नाम के आत्मिक प्राणी का बहुत कम बार जिक्र किया गया है। मगर जहाँ पर भी उसका जिक्र आता है, उसे कोई ज़बरदस्त काम करते हुए बताया गया है। जैसे दानिय्येल किताब बताती है कि मीकाएल, दुष्ट स्वर्गदूतों से लड़ रहा है; यहूदा की पत्नी में वह शैतान के साथ वाद-विवाद कर रहा है; और प्रकाशितवाक्य की किताब में, वह इब्लीस और उसकी दुष्टात्माओं के साथ युद्ध लड़ रहा है। मीकाएल नाम का मतलब है: “परमेश्वर जैसा कौन है?” और यहोवा की हुकूमत को बुलंद करके और परमेश्वर के दुश्मनों से लड़कर मीकाएल अपने नाम पर खरा उतरा है। मगर असल में मीकाएल है कौन?

कई लोगों के एक-से-ज़्यादा नाम होते हैं। जैसे, कुलपिता याकूब, इस्राएल नाम से भी जाना जाता था और प्रेरित पतरस, शमौन भी कहलाता था। (उत्पत्ति 49:1, 2; मत्ती 10:2) उसी तरह, बाइबल ज़ाहिर करती है कि मीकाएल, यीशु मसीह का ही दूसरा नाम है। धरती पर आने से पहले और स्वर्ग वापस जाने के बाद वह इसी नाम से जाना गया है। हम यह कैसे कह सकते हैं? जानने के लिए आइए बाइबल की कुछ आयतें देखें।

प्रधान स्वर्गदूत। परमेश्वर का वचन, मीकाएल को “प्रधान स्वर्गदूत” कहता है। (यहूदा 9) बाइबल में “प्रधान स्वर्गदूत” हमेशा एकवचन में आया है। कहीं पर भी यह ‘प्रधान स्वर्गदूतों’ का जिक्र नहीं करती। इसका मतलब, प्रधान स्वर्गदूत सिर्फ एक ही है। इसके अलावा, एक और आयत दिखाती है कि प्रधान स्वर्गदूत का पद यीशु का है। पुनरुत्थान पाए प्रभु यीशु मसीह के बारे में 1 थिस्सलुनीकियों 4:16 कहता है: “प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा।” इस आयत में यीशु की आवाज़ को प्रधान स्वर्गदूत की आवाज़ बताया गया है। यह आयत साफ दिखाती है कि यीशु ही प्रधान स्वर्गदूत मीकाएल है।

सेनापति। बाइबल कहती है: ‘मीकाईल और उसके स्वर्गदूत, अजगर और उसके दूतों से लड़े।’ (प्रकाशितवाक्य 12:7) इससे पता चलता है कि मीकाएल, वफादार स्वर्गदूतों की सेना का सेनापति है। प्रकाशितवाक्य में यीशु को भी वफादार स्वर्गदूतों की एक सेना का सेनापति बताया गया है। (प्रकाशितवाक्य 19:14-16) और प्रेरित पौलुस ने साफ शब्दों में “प्रभु यीशु” और ‘उसके सामर्थी दूतों’ के बारे में लिखा है। (2 थिस्सलुनीकियों 1:7) तो बाइबल में मीकाएल और ‘उसके स्वर्गदूतों’, साथ ही यीशु और ‘उसके स्वर्गदूतों’ के बारे में बताया गया है। (मत्ती

13:41; 16:27; 24:31; 1 पतरस 3:22) परमेश्वर के वचन में कहीं भी ऐसा नहीं लिखा है कि स्वर्ग में वफादार दूतों की दो सेनाएँ हैं, एक का सेनापति मीकाएल है और दूसरी का यीशु। तो फिर इस नतीजे पर पहुँचना सही होगा कि मीकाएल कोई और नहीं बल्कि खुद यीशु मसीह है, जो स्वर्ग में एक अहम भूमिका अदा कर रहा है।*

* मीकाएल, परमेश्वर के बेटे का ही नाम है, इस बारे में ज्यादा जानकारी *इंसाइट ऑन द स्क्रिप्टर्स* के भाग 2, पेज 393-4 पर दी गयी है। इसे यहोवा के साक्षियों ने प्रकाशित किया है।

